तुलसी कॉमिक्स

संख्या : मूल्य :-...

Vintage collection

सुपर कमांडो ध्रुव

वेद प्रकाश शर्मा

fenzz

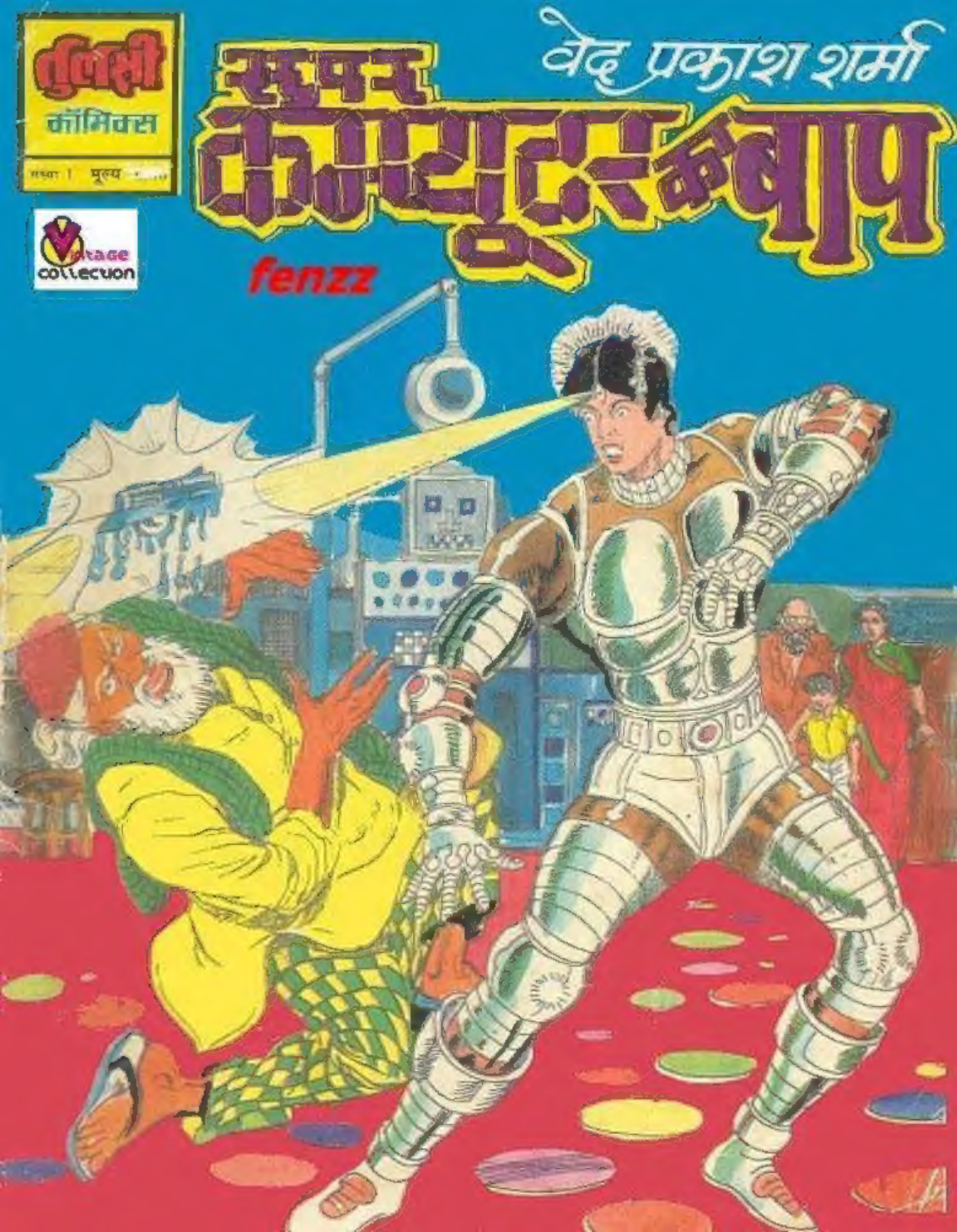

वेद प्रकाश शर्मा

प्रस्तुत कॉमिक वेदप्रकाश शर्मा ने लिखा है। कॉमिक्स की दुनिया में वेदप्रकाश शर्मा का नाम भले ही नया हो परन्तु उपन्यासों की की दुनिया में इस नाम ने कामयाबी के ऐसे झंडे गाढ़ रखे हैं जैसे पहले कभी किसी उपन्यासकार ने नहीं गाढ़े थे। वेदप्रकाश शर्मा १२५ उपन्यास लिख चुके हैं आज ये हिन्दी के सबसे ज्यादा बिकने वाले एक मात्र लेखक हैं।

वेदप्रकाश शर्मा का जन्म १० जून १९५५ के सूर्योदय के साथ बुलन्दशहर जिले के 'बीहरा' नामक गांव में, एक निर्धन परिवार में हुआ। उस वक्त वेदप्रकाश शर्मा की आयु लगभग दो महीने की थी जब माता- पिता इन्हें लेकर मेरठ आ गये और यहां बस गये। सम्पूर्ण बाल्यकाल मेरठ में ही गुजरा, शिक्षा-दीक्षा भी यहीं हुई। इनके उपन्यासकार बनने के पीछे इनकी मां के कठोर परिश्रम एवं अद्‌भुत साहस तथा त्याग की दर्द भरी कहानी छुपी है। उस वक्त इनकी आयु केवल सत्रह वर्ष थी और ये दसवीं कक्षा के छात्र थे जब इन्होंने लेखन क्षेत्र में कदम रखा। उपन्यास लेखन और शिक्षा साथ- साथ चलती रही, बी.ए. तक शिक्षा ग्रहण करने के बाद ये पूर्णतय: लेखन क्षेत्र के लिए समर्पित हो चुके थे। इनके 'बहू मांगे इंसाफ' नामक उपन्यास पर बनी फिल्म 'बहू की आवाज' रिलीज हो चुकी है। 'कानून का बेटा' नामक उपन्यास पर 'केशव पंडित' नाम की फिल्म बन रही है। 'विधवा का पति' और 'शीशे की अयोध्या' नामक उपन्यासों पर टी.वी. फिल्में बन रही हैं।

नन्हे पाठकों के स्वस्थ मनोरंजन हेतु अब इन्होंने कॉमिक्स की दुनिया में कदम रखा है। कॉमिक्स की दुनिया में वेदप्रकाश शर्मा जिस नये किरदार को लेकर आये हैं उसका नाम है- जम्बू। प्रस्तुत कॉमिक को पढ़ें और हमें अपनी राय लिखें ताकि हम वेदप्रकाश शर्मा को बता सकें कि बच्चों ने उनके जम्बू को पसन्द किया है या नहीं?

— प्रकाशक

प्रकाशक: तुलसी पॉकेट बुक्स, देहली रोड, मेरठ-२

सम्पादक: प्रमिला जैन। सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

© सर्वाधिकार सुरक्षित : **तुलसी पॉकेट बुक्स**, देहली रोड, मेरठ-250 002, फोन नं० : 512005, 512531

सुपर कम्प्यूटर का बाप

लेखक: वेदु प्रकाश शर्मा चित्रांकन: ज्योत्सना अवस्थी संपादन: प्रमिला जैन

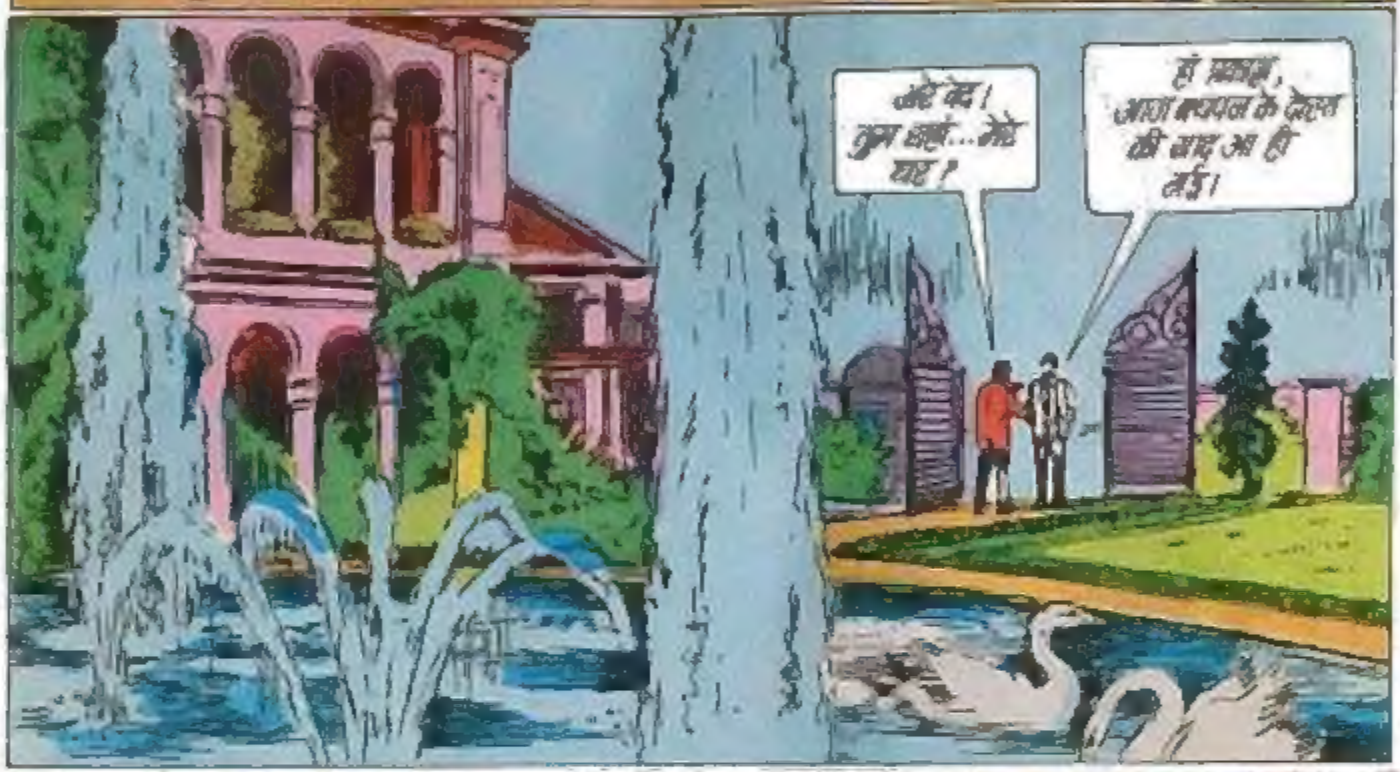

मेरी दो बड़ी बेटियों के नाम हैं कविता और सविता।
मैं अजय हूं।
ये कहानी है कि छोटे बच्चे अखबार तो पढ़ नहीं सकते, कॉमिक्स पढ़ते हैं, अतः उनके कॉमिक्स लिखने चाहियें।
वैसे कुछ दिनों से कहानी है न, इसलें कुत्तेका क्या है?
मैं फिलहाल एक कॉमिक्स लिखना शुरू करता हूं और तुम कहते हो कि कॉमिक्स के मामलेमें मैं जिनियस बच्चा हूं। लेकिन तुम आज देखो के कुछ बड़े कैरेक्टर हो।
तो तो है लेकिन तुम कुत्तेसे चाहते क्या हो?
हिंसात्मक कोई रोचक कहानी सुनाओ!
और उस कुत्तेकी चालाकी लेखक की मौत। कहानी सुनाओ और उस पर कॉमिक्स बनाओगे अपने नाम से।
कहानी तो नहीं। लेकिन मैं तुम्हें एक सच्ची घटना सुना सकता हूं।
कहानी नहीं है दुबारा। अगर कहानी तो सुनाओ।
क्या घटना?
हां, तुमने अखबारों में पढ़ा होगा। पिछले महीने तीन साल के परिवेश के बाद एक बहुत ही खतरनाक आदमी छूटा था।

क्यों तुम जम्बू की बात ही नहीं कर रहे हो ?
बिल्कुल ठीक कहते, मैं तुम्हें जम्बू के बारे में ही बताना चाहता हूँ।
बेकार बताओ, जम्बू के बारे में तो मैं भी जानने को उत्सुक हूँ, और बच्चे तो जम्बू की कहानी सुनने के बाद बाकी सारी समस्याएँ भूल जाएँगे।
तो सुनो... प्रोफेसर एच. सी. शास्त्री मेरे मैथमैटिक्स गुरु थे। कुछ दिन पहले की बात है। उनके घर में उनकी पत्नि सुलभा और बेटा मंटी बातें कर रहे थे...।
प्रयोगशाला
क्या लगा है मम्मी ?
डार्लिंग, पापा तुम्हें बहुत याद कर रहे थे, वो एक रिसर्च-शाला में हैं।
आज सुलभा दीदी नहीं आयीं, क्या वह भी नहीं आये ?
वो काम पर गए हैं बेटा, शाम तक आएँगे तो...
अपने आपको तुम तक छोड़ा देती हमेशा आलिंगन ?
क्या लगा रहीं ?
आखिरी बार प्रयोगशाला में लगा तीन साल पूर्व गए थे। तब से आज तक हमारे इस घर वाला एक सौकिंड के लिये भी नहीं खुला।
प्रयोगशाला
क्या इसके बाद नहीं एंटीन, तीन साल पहले क्या हुआ था ?

कुलटी मेडिकल
कुलटी कॉलेज में कलकत्ता! कुछ ही समय था, मालिक अचानक चल बसे थे...!
नहीं... नहीं... ऐसा नहीं हो सकता।
म-क्या हुआ आपको?
ये महाजनों का आतंक है! आपात की मेडिसनों से मैं ऐसा नहीं होने दूंगा...!
???
हुआ क्या है मालिक?
मैं कसम खाता हूं ऑपरेशन सहित सारी दुनिया को आपात के मरीजों में लाकर खड़ा दूंगा।
प्रयोगशाला
आप बताते क्यों नहीं, आखिर बात क्या है?
मैं प्रयोगशाला में जा रहा हूं सुधना, अब केवल वहीं बाहर निकलूंगा जब ऐसा इक्का कर कुलटी लिवर देखकर सारी दुनिया आपात के सामने नतमस्तक हो जाए।

मालिक
मैं नहीं।
तब तुम्हीं।
तुम मुझे डिस्टर्ब नहीं करोगी सुधा। मुझे नींद की जरूरत है। जब आना हो तब खुद बाहर आजाना।
डिस्टर्ब न करो
धड़ाक
नीचे सारा पुराना अखबार आज भी मेरे पास है। हजार बार उसे पढ़ चुकी हूं। परन्तु न जाने क्यों कि मौका ही तलाश पढ़ोसिन जैसी हमारी दुश्मन आया?
अक्सर मालकीन मौका पाकर प्रयोगशाला की बंद खिड़की से कान लगाकर सुनने की कोशिश करती, पर बार बार उसे मालिक के अलावा और कुछ नहीं सुनाई देता।
क्या पकाना चाहते हो?
प्रयोगशाला में मालिक के साथ कोई है, मालिक उससे अजीब-अजीब बातें करते हैं।
तभी...
म-मालिक...?
??

मेरा बेटा।
अगर मेरा बस चले तो इस नर्स को गोली मार दूँ।
आइये तो सही, आप आप क्या देख रहे हैं?
अभी मैं किसी को कुछ बताना नहीं चाहता।
अच्छी परिस्थिति में ही नहीं?
कुछ अच्छे लोग।
ये कुछ खास है!
अच्छा तुम्हारा, मैं तुम्हें इसके बाद और भेज दूँगा।
प्रयोगशाला
अच्छे तो नहीं।

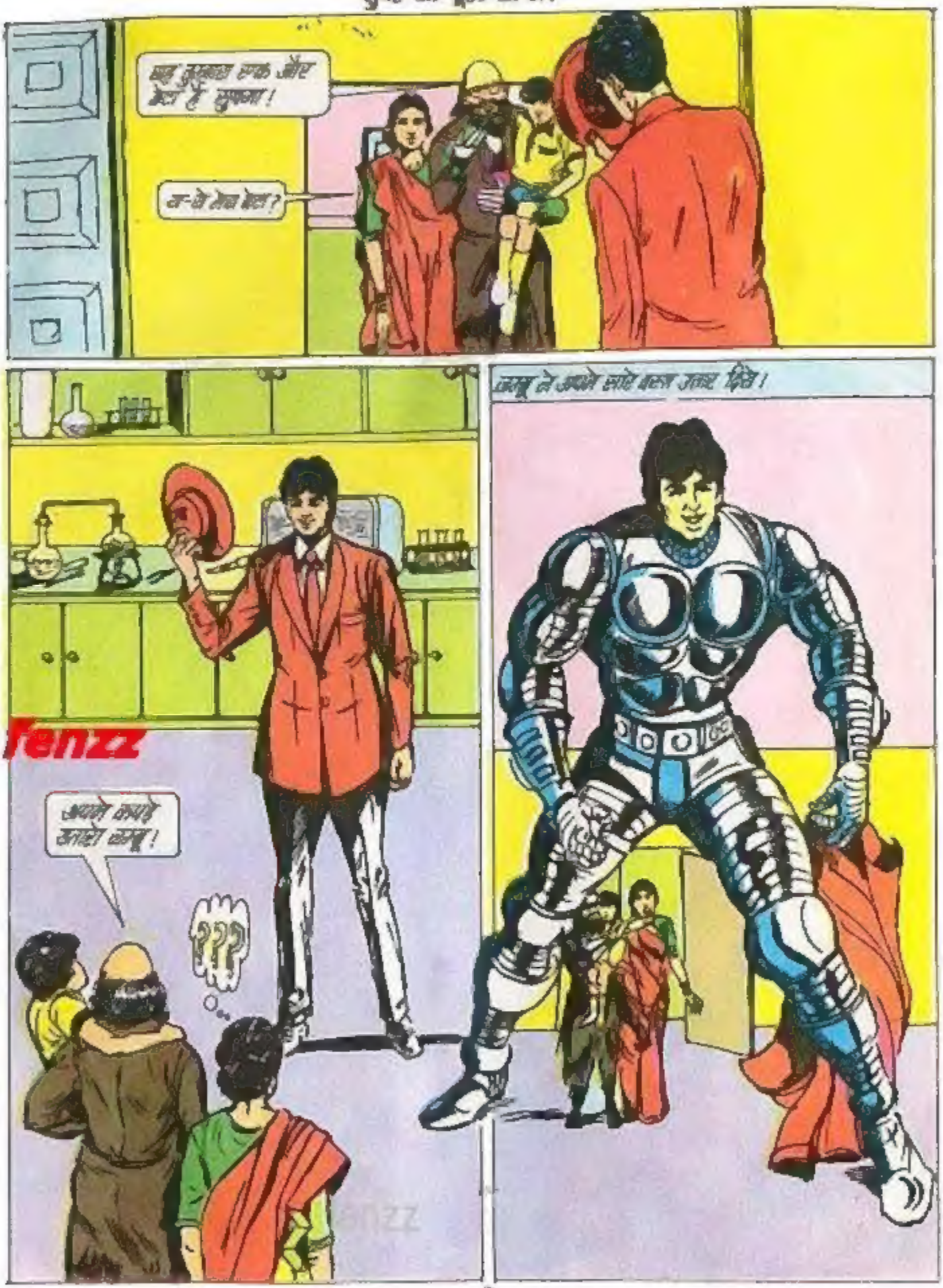
अब अकाश एक और बेटा है सुपना!
अ-ये केसा बेटा?
अपने आपे आओ अप्पू!
???
अप्पू ने अपने सारे बल आजमा दिये!

देख क्या रहे हो लम्बू, ये कुश्ती का है।
लम्बू ने अचानक कुश्का के पैर छुए। कुश्का के आशीर्वाद की लीला न रही।
तुमने आशीर्वाद दीजिये लल्ली!
अरे मेरे को आशीर्वाद नहीं देती कुश्का?
न अम्मा...नेवर!
जब तक आप आशीर्वाद नहीं देंगी, तब तक मैं आपके पैर नहीं छोड़ूंगा अम्मीजी।
छ...छोड़ो... मुझे छोड़ो।
ये बेटी है लम्बू, कुश्का नहीं।
मुझे बताओ!

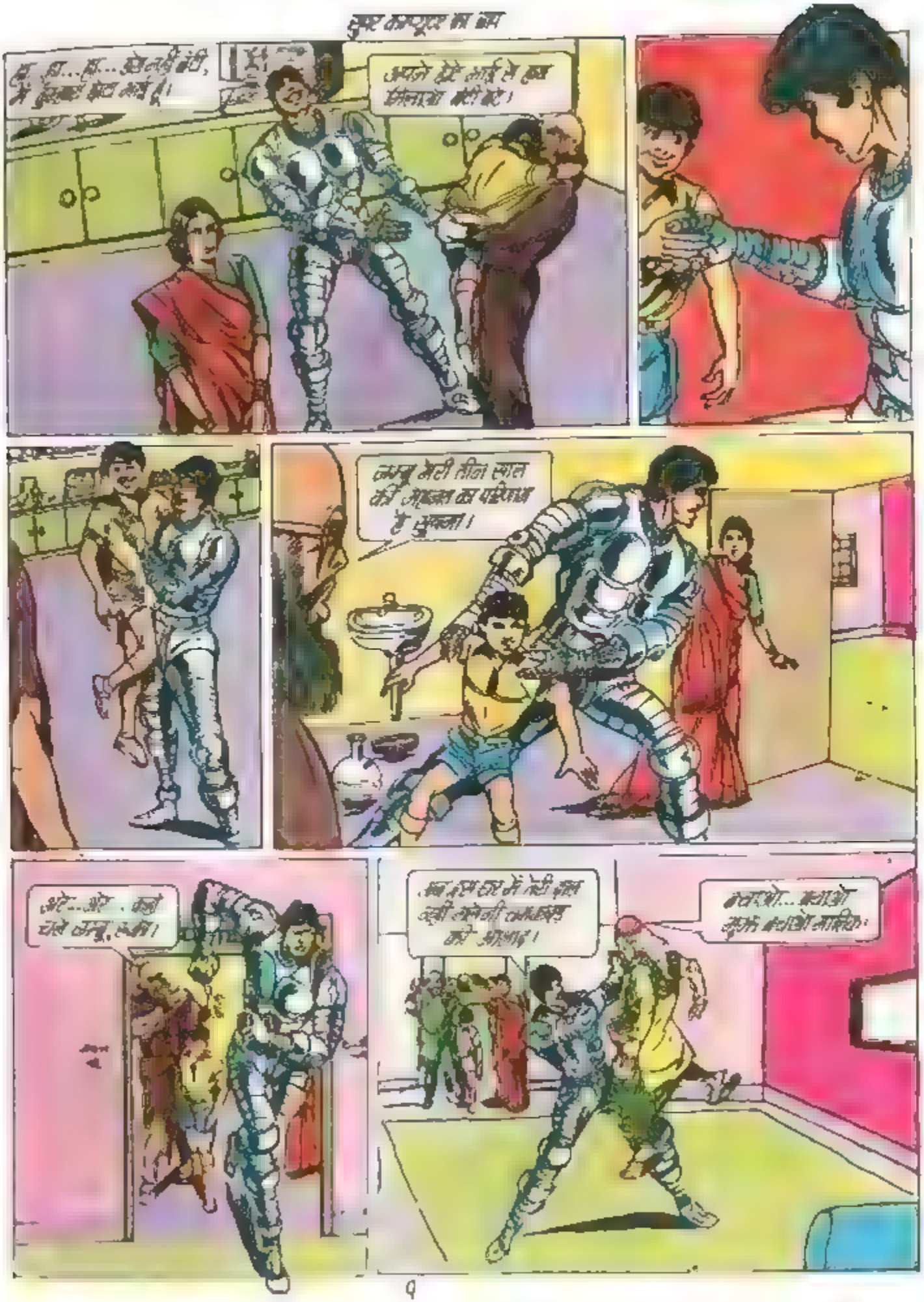
हा...हा...हा... तेजस्वी मेरी, मैं तुम्हारा क्या करूं?
अपने ऐसे भाई से तुम छिपाओ मेरी बहन।
तन्मय मेरी तीन साल की अच्छा का पड़ोसपाल है मुझका।
अरे...अरे... रुको रुको तन्मय, रुको।
अब इस तरह से मेरी इच्छा नहीं करेगी अमलेश और अंजाम।
अरुणो... अरुणो मुझे बचाओ भाभी।

OK जोड़
म.. मेरा इंतजार करो!
म. एक लाख में तुम्हें जेली बार दूंगा!
हा हा हा तेरी गोलियों को जम्पू अमूल चॉकलेट की तरह खा सकता है टिल्लू!

म.. मम्मी जल्दी से बताइए हू इज दिस लेडी!
हा..हा..हा..चॉकलेट नहीं खिलाऊंगा, ना फिर चॉकलेट!
धांय
अरेऽऽ यू.. ये तो लड़की है!

प्रताप अपार्टमेंट
धड़ धड़ धड़
मैं जैसा कहा वैसा करो वरना...

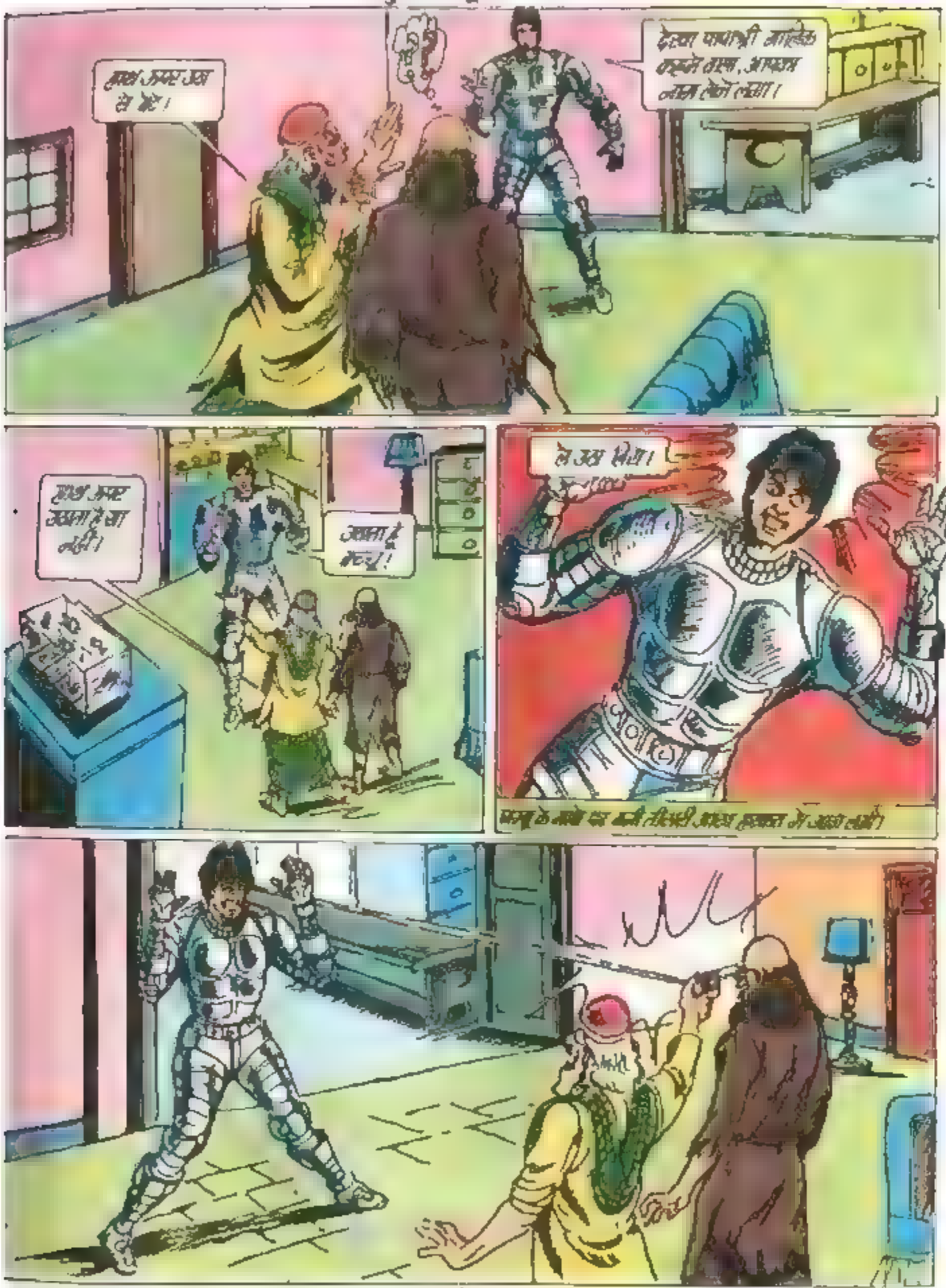
हाथ ऊपर उठा दे बेटे।
देखता पापात्मा मानिक
पहले तेरा, आपका
नाश कौन लेता।
हाथ ऊपर उठाता है या नहीं।
उठाता हूँ मम्मू!
ले उठा बेटा।
मम्मू के आगे तो अच्छे अच्छे तीसमारखां अपना हथियार भी उठा नहीं पाते

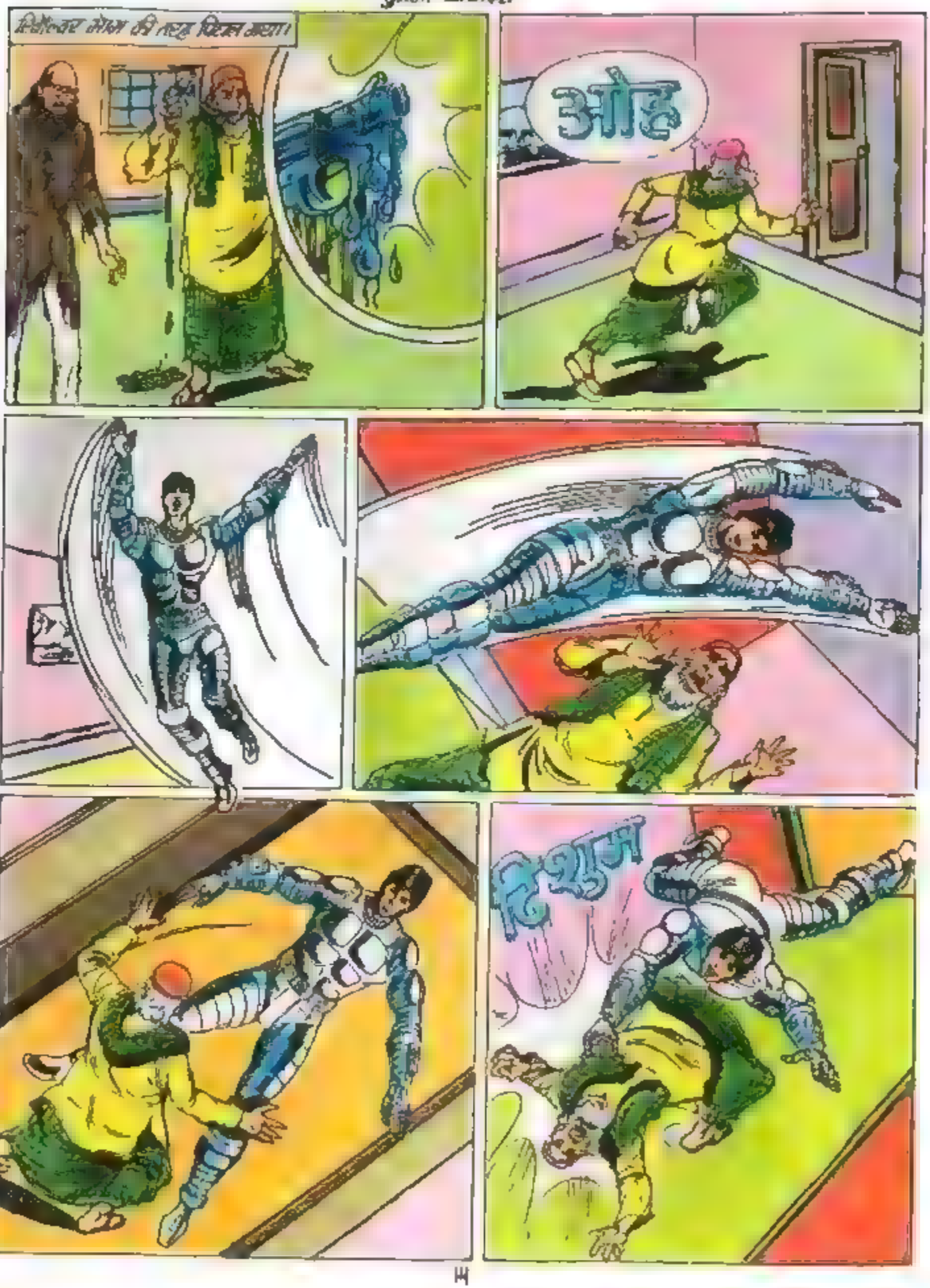
हैलीकॉप्टर लेकर भी वहां पहुंच गया।
ओह
धुप

धुप्प
ओह! यह तो मर गया लगता है
इसका मर जाना ही ठीक है वरना भी!
क्यों?
मैं अमेरिकी सीक्रेट सर्विस का जासूस था।
एक... जासूस...

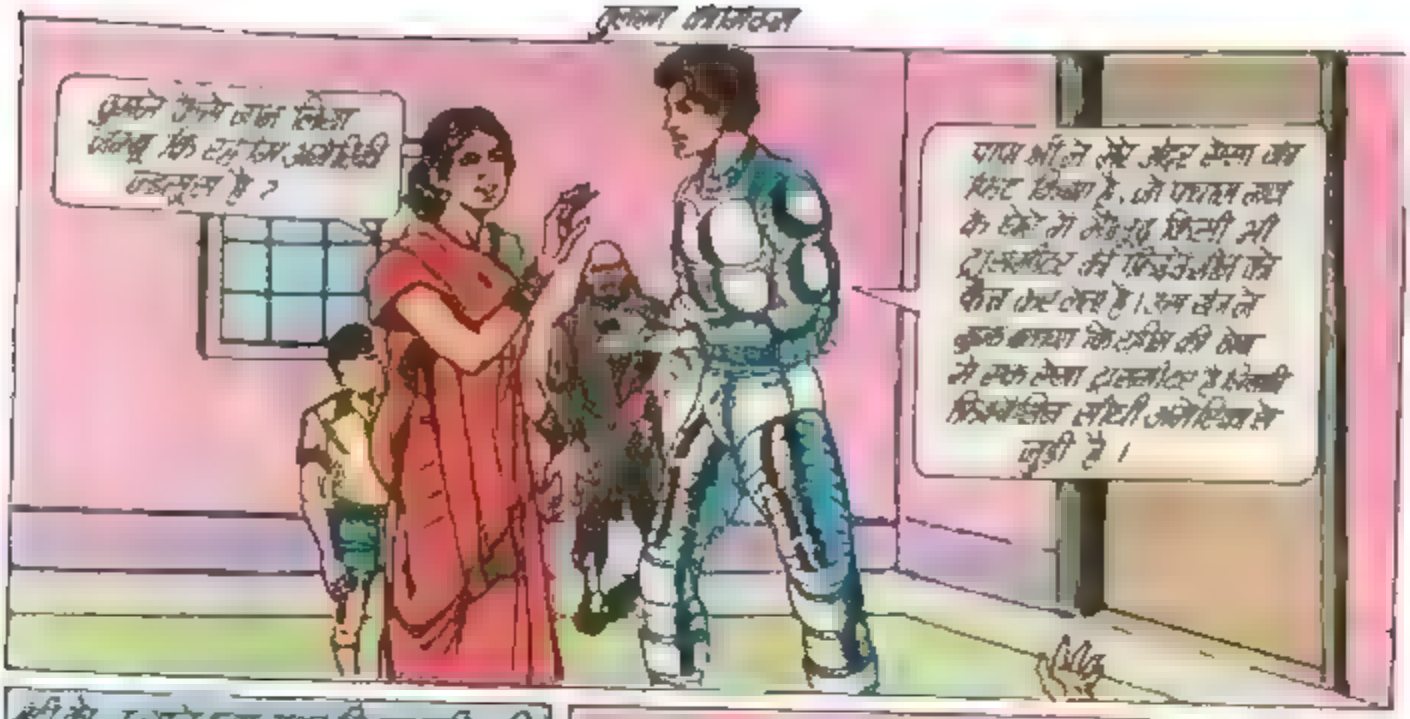
तुमने कैसे जान लिया कि यह एक आदमी जासूस है ?
पापा मैंने अपने अंदर ऐसा एक मीटर फिट किया है, जो पचास लाख के दायरे में मौजूद किसी भी ट्रान्समीटर की फ्रिक्वेंसीज़ को कैच कर लेता है। इस वक्त ये कुछ बातचीत कोडवर्ड की शक्ल में कर रहा ट्रान्समीटर है जिसकी फ्रिक्वेंसीज़ लंदन की ओलिम्पिया से जुड़ी है।

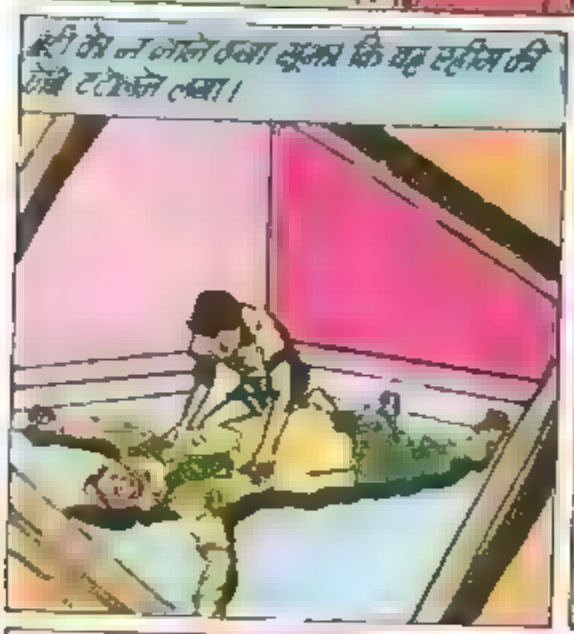
मैंने तो न जाने क्या सूझा कि यह स्क्रिप्ट की पोथी टटोलने लगा।

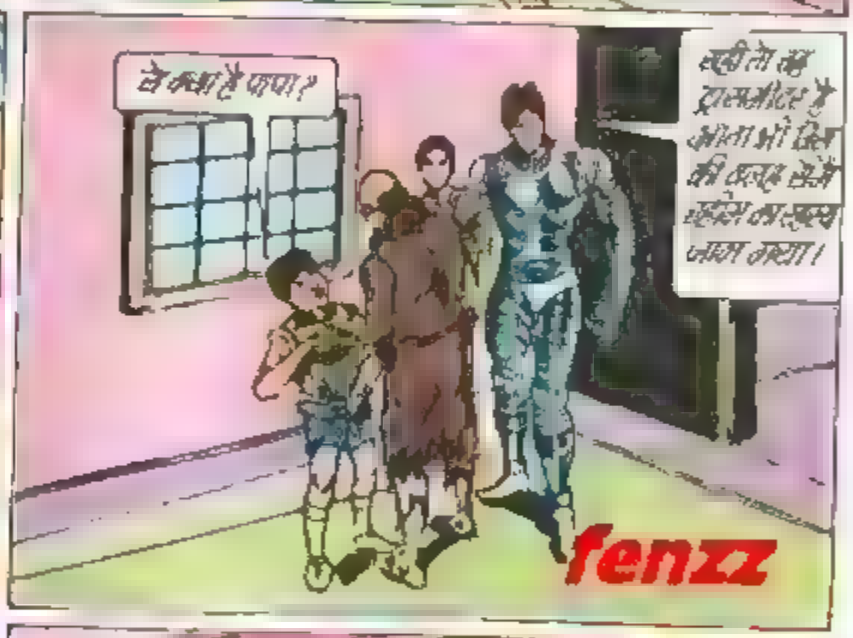
ये क्या है पापा?
सच्ची तो वह ट्रान्समीटर है लेकिन भी किस की शक्ल लेकर हमारे बीच आकर जम गया।
fenzz

लाओ बेटी, ट्रान्समीटर मुझे दो।

हैलो...हैलो...

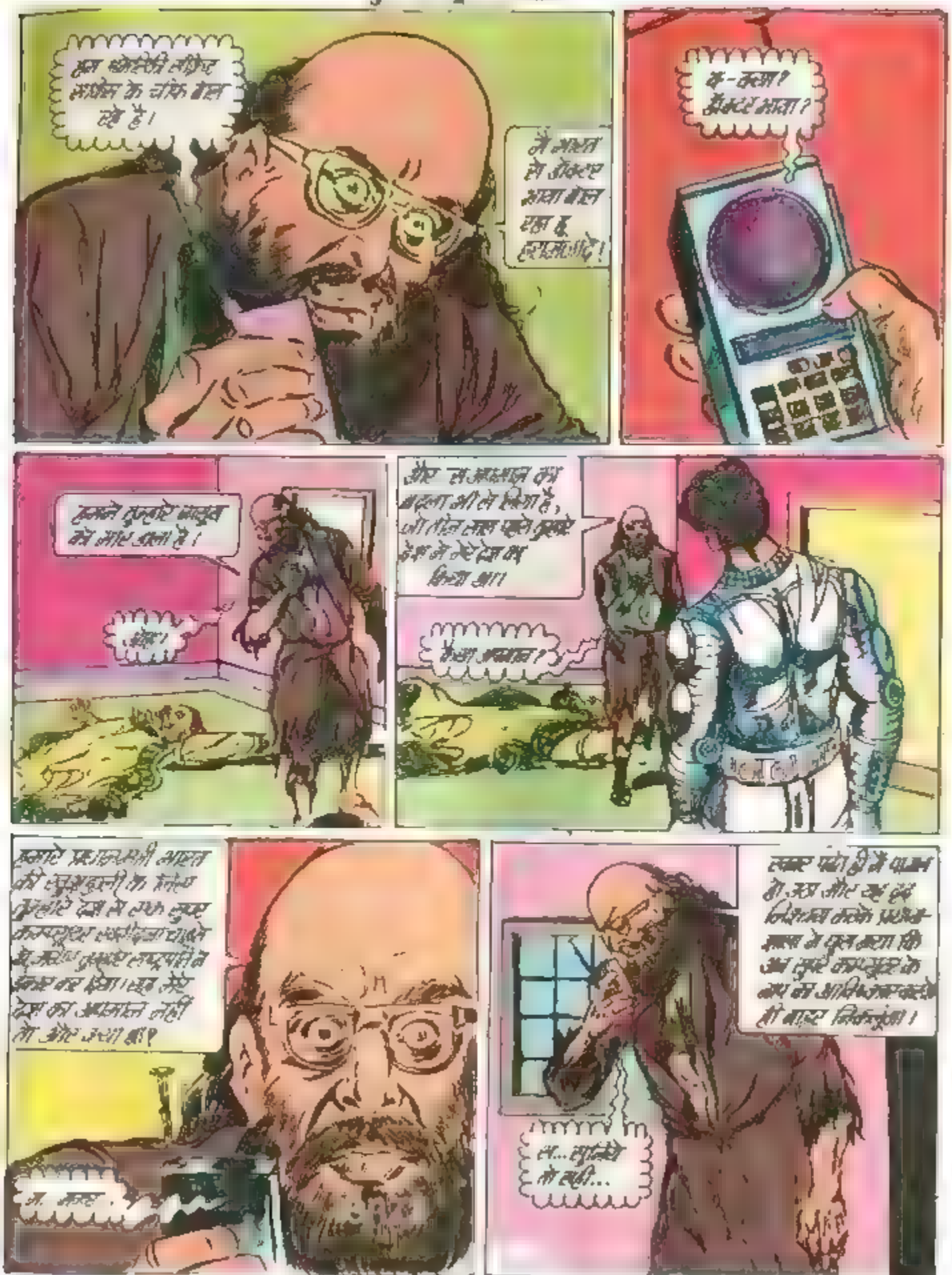
इस ओरेंजी नीग्रो आदमी के चक्कर में फंस रहे हैं।
मैं असली से डैमेज्ड माल वापस ले रहा हूं, समझे?
क-क्या? डैमेज्ड माल?
हमारे दुश्मनों ने मुझे मार डाला है।
ओह!
और इस अहसान का बदला भी ले लेगा है, और तीन साल पहले दुश्मन देश ने मेरे देश का किया था।
कैसा अहसान?
हमारे प्रधानमंत्री आदमी की दोस्ती के लिए दुश्मनों के देश से लाए सुपर कम्प्यूटर को वापिस लौटा रहे हैं। यह मेरे देश का अपमान नहीं तो और क्या है?
ओ, नो!
तभी मेरी दी में चमक हो उठा और उस ने इस विनाशक मशीन को पूरा करने की अब सुपर कम्प्यूटर को तोड़ कर अधिकतर करने से बाहर निकलूंगा।
स्व... सुनिये तो सही...

और अब मैं बहुत दिनों से; मैंने सुपर कम्प्यूटर का काम तैयार कर लिया है। लेकिन लगता है जम्बू, जम्बू- को सुपर कम्प्यूटर का काम इंसीलेज लगता। क्योंकि जम्बू ने तुम्हारे सुपर कम्प्यूटर से ज्यादा स्मार्टफोन है।
क्या मैडिकल नहीं आता तो सुनिये।
बको
मुझे ने हमारे देश के सुपर कम्प्यूटर मेघदूत को ठीक कर लिया था, परन्तु वह मैं बात नहीं ली थी। इसके लिये आपको देश को सुपर कम्प्यूटर दे दिया है।
अच्छा।
हूँ, मुझे नहीं मालूम मैं तो सबसे पहले के गई प्रोफेसरनी में बड़ा हो गया था। अब मेरे देश को तुम्हारे सुपर कम्प्यूटर की जरूरत नहीं है। जो डरकर भागे, हमारे पास जम्बू है। जम्बू के कारण देखकर सारी दुनिया भारत के सामने आत्मसमर्पण कर देगी।
हेलो?
अभी जम्बू ने सारी सजा है। अब थोड़ी देर रुकने के बाद मैं जम्बू के दुश्मनों के आगे लगाऊंगा। मैं से...हेलो।

इस तरह आग लगने के कारणों से कुरुक्षेत्र एक्सप्रेस में आग लगी।
इस हादसे में अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है।
इस आग में 20 से ज्यादा यात्री घायल हुए हैं।
इस हादसे में अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है।
इस आग में 20 से ज्यादा यात्री घायल हुए हैं।
इस आग में 20 से ज्यादा यात्री घायल हुए हैं।
इस हादसे में अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है।
कैसे?
आग के कारणों की जांच के लिए रेलवे ने एक उच्चस्तरीय जांच समिति का गठन किया है।
यह जांच करेगा।
आग में –
मेरे विचार से तो यह कुछ ना कुछ अवश्य लगेगा, हमें डॉक्टर आत्मा और जम्बू को बताना चाहिये।
ओ के. डॉक्टर!

अगले दिन ऑफिस में –
अरे तुम कोई चुटकुला सुनाओ लम्बू !
ले आया हूँ ना भी !
क्या लम्बू चुटकुले भी सुनाता है यार ?
नहीं नहीं, सुनाओ लम्बू !
तो सुनिये, एक जनाब रेल यात्रा के दौरान भी पी रहे थे..
उसी शाम अपने दोस्त के घर पर...
आओ आओ अनोखी तेवरीजी आज दोस्ती करके तो है नहीं फिर कहना तुम उस चुटकुले पर मेरे जाओ !
ठीक है, मैं चुटकुले पर मेरे जाता हूँ !
ऐसा कहकर वो तो हो गये !

अब जो संदूक पर मेरा हाथ पड़ेगा तो मैं अपनी शेयर्स को लेकर कूदने फिर रहे हैं ?
गिरावट !
गिरावट !
गिरावट !
अगली सुबह आ गया और दिवाले के लिये वह बीमार संदूक उठाए वह से दौड़ा -
संदूक
एक बात बताओ पापा !
पूछो बेटे !
लेकिन तो कंप्यूटर की दुनिया में लोग क्या कह रहे थे कि वह अद्भुत है, क्या अद्भुत पता है इसमें ?
मैं बताता हूँ बेटा !
क्या ?
अभी मैं कंप्यूटर से हस्तरेखा पढ़ सकता हूँ जो पापा जी ने मेरे अंदर भरी है। अगली सदियों के लोगों के भविष्य के रहस्य हूँ। जिनको जानने मेरे अंदर भरे पड़े हैं सारे ...

नवाबी...?
मैं चाहता हूं कि जम्बू अपनी ही नस्ल सीखे, रहन-सहन, तौर तरीके, और उन लक्षणों के भी आदी हो जाये, जिनके कारण इसने यहां जन्म लिया है। अभी तक पिछले सप्ताह बने हैं वे सब एक महीने होने हैं जबकि मैं चाहता हूं कि हमारा जम्बू कैसल मार्टिन बनकर न रहे। इसकी नस्ल दुरुस्त हो और सुधारी भी जा सके।
ऐसा कैसे हो सकता है पापा?
अभी तक कोई तसल्लीबख्श रिजल्ट नहीं आया है अगर मैं निराश नहीं हूं बेटे, लेकिन एक दिन मैं अपने ऑब्जेक्ट लक्ष्य में भी कामयाब हो जाऊंगा।
न...नहीं...!
बहुत देर हो गई है बेटे! मम्मी के पास जाकर सो जाओ।
ओ के. पापा! गुड नाइट जम्बू!
अब इस बात को जम्बू के तीन महीने तक नहीं में मीडिसन कैसा रहेगा?
दो महीने बाद पापा तसल्लीबख्श तौर पर आश्वस्त हो चुके थे। अब उन्हें इन्तजार था तो सिर्फ उस दिन का...
सेलिसबरी एंड्रयू मेडिकल पैलेस

क्या अबे-अबे कर रहे हो?
मैं एक अजनबी आदमियों के पहनावे की अलार्म कुछ खड़ा पगलाई लगता है। इन्हें लोग हमारी तरफ़ी के दाखिल हो चुके हैं।
बहुत बड़ा बेटा लम्बू, देश के इस वक्त अपना बड़ा चैन आएगा?
पूरे चार अजनबी आदमी है पगली।
बेटे लम्बू! तुम इसे औरत का हैल पुंजाओ।
उम्र अवस्था तुमसे से....
दो आदमी बालकनी में पहुंच चुके थे, दो पाईप पर चढ़ रहे थे।
क्या क्या करें?
इस वक्त के अब डरकर भाग जाएं लम्बू को खत्म करने आए है।

अब नींद खुलने पर मैं इसके साथ मे अठखेलियां कर सकूंगा।
मेरी तो इन्हें देखकर ही नींद उड़ गई है।
यहीं तक रहेगा।
दिल्ली में हुत्ती सर्वे... हमने पता लगा है कि कुछ लोग हुत्तियों को खत्म करने की साजिश कर रहे हैं।
कौन लोग ?
ये ही चाहिए।
कुछ फिट बाजार.
ब..बचो पापाश्री।

आह...!
आह
प...पापाश्री!
आह आह
मेरी बात सुनो बेटा!

इतना कह लेने के बाद जम्बू पुनः दुखड़ों की कथा कहने लगा, जिसे सुन उसके उद्धार और उत्थान में जुट गया।
fenzz
अरे कुमार छोड़ो यार
कुमार क्या कर रहा है?
अब यह जम्बू मर जाएगा हमारी पहली बलि देकर।
जरूर यह कोई तांत्रिक अनुष्ठान है।

हमारी खोपड़ियों को ले के मंत्रणा की खुश हो मेरीडुक्स, पहले अपने परमाणु तो बना तू!
प-परमाणु.. परमाणु!
जम्बू, मेरे पास टाइम कम है। ध्यान से मेरी बात सुनो।
बोलिये!
मेरे दिमाग में अद्भुत आ रहा है। तुम आदमी की तरह बेश बदल लो। फिर हम और अधिकारों को मेरदूत कर सकते हैं।
कैसे परमाणु?
तुम अब जैसा करो, मेरा दिमाग इंसानकार अपनी खोपड़ी में फिट कर दो।
न-नहीं...नहीं...परमाणु, इस तरह से आप मर जायेंगे।

अरे वाह तो मैं भी तुम्हारे ऑपरेशन करने से पहले यह जान लूं कि मेरा दिमाग क्या है जिसका और यह तुम्हारे दिमाग का क्या होगा, और उसके बाद ऑपरेशन के बाद मेरा दिमाग तुम्हारे सिस्टम में फिट रहेगा।
क्या-सच मुझे ऑपरेशन करना पड़ेगा है पता भी ?

मैं बताता हूं। तुम्हें पहले मस्तिष्क दुरुपयोग करके देखना होगा। उसके बाद सूई से जोड़ दिए जाएंगे। दिमाग मिल जाएगा। ध्यान रहे, दिमाग की वांछित नसों से बड़ी सावधानी से काटना। फिर दिमाग को अपनी खोपड़ी में रखना और लाइट जैसी कोई दवाई मशीन में छोड़ देना। मशीन के अंदर साल भरने से ऐसे हवा हो जाना...

...तब मशीन मेरे दिमाग की नसों को जुड़ दुरुस्ती खोपड़ी में फिर वापस से जोड़ देगी।

क्या कहा...!
जल्दी करो जनरल, मुझे मेडिकल करना है।

? ? ? ?

ध्रुव... ध्रुव... मेरे बेटे! तुम तो मेरा अभिमान हो, जिन्दगी में तुम्हें देखना चाहता हूँ। तुम तो मेरी ताकत हो जिसकी वजह से जंगल के आतंक को खत्म करना चाहता हूँ।
मैं अगर ही न बचूं अगर मेरा विनाश हो गया तुम्हारे साथ रहेगा। इसलिये तो तुम्हें अपनाया था अंकल ने
तभी तो
तक्षक ध्रुव पूर्ण से आ।
मैं अपने अंकल का अधूरा सपना जरूर पूरा करूंगा।
fenz

पताकी अब आप क्रोध
करने लगे हैं। कुछ खाना
चाहेंगे?
हूं उम्बू, अमेरिकियों से कहना कि
मेरे हत्यारों को ढूंढ- ढूंढकर मारना
और फेंक के हर ठिकाने की तलाशी
ले लेना। बस! अब खड़ी हटो।
फिर उम्बू ने अंकल सैम के मनोरंजनार्थ कुछ और किया।
अंकल सैम को उम्बू का अतिरेक प्रेम रास
न आया।
तुझे अभी लड़ना
पाएगा भी!

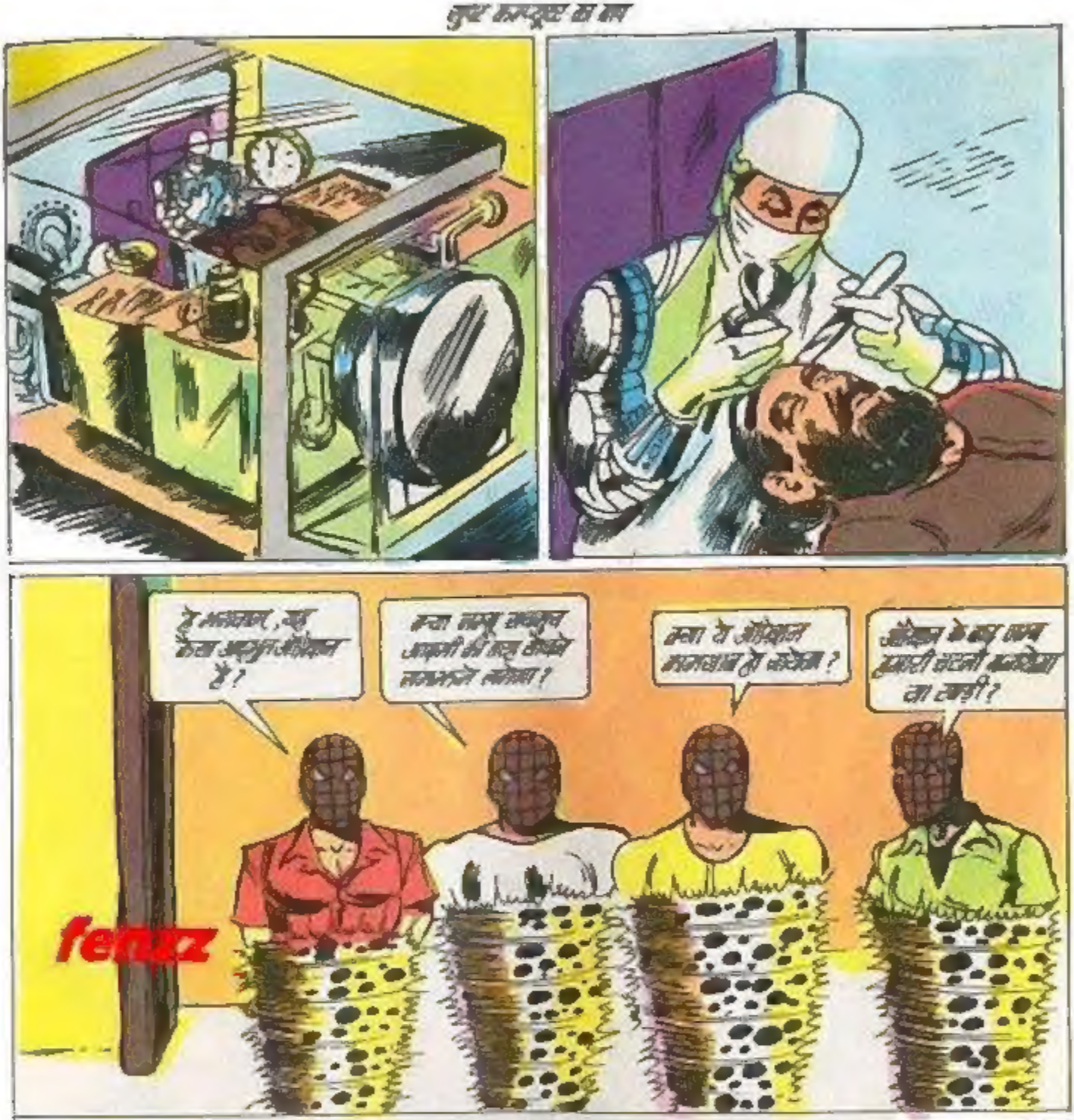

इससे आगे का हाल जानने के लिए पढ़ें —
तुलसी कॉमिक्स
के अगले सैट में
वेद प्रकाश शर्मा का नया कॉमिक
fenzz
जम्बू बना भावा